साडे घर आओ गुरु जी साडे घर आओ

साडे घर आओ गुरु जी साडे घर आओ
आओ जी गुरु जी साड़ी कुटियाँ च आओ
जेह्डा रुखा सुखा बनेया ओहदा भोग लगाओ जी
आओ जी गुरु जी साड़ी कुटियाँ च आओ

कुटियाँ च आओ गे ते पलका विछावा गी,
अपने हंजू नाल चरण धोआवा गी
अपनी वाशना नाल साडा घर महकाओ जी
आओ जी गुरु जी साड़ी कुटियाँ च आओ

जदों तुसी आओ गे ते संगत भी आये गी,
कितियाँ पाक अपने कर्म घटाए गी
अपनी किरपा दी छाया विच सहनु भी बिठाओ जी
आओ जी गुरु जी साड़ी कुटियाँ च आओ

वेख वेख तहानु मैं ते बल बल जावा गी ,
तन मन तुहाडे उते अपना मैं वारा गी
अपनी रेहमता दा मीह सारी संगत ते बरसाओ जी
आओ जी गुरु जी साड़ी कुटियाँ च आओ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17911/title/saade-ghar-aao-guru-ji-saade-ghar-aao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |